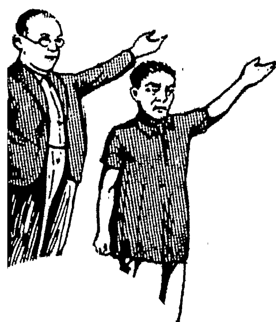
एक सामाजिक नाटक

55



मैं कुछ सोच रहा हूँ





१९५०

प्रो० प्यारे लाल एम०ए०